डेली कॉलेज, जूनियर स्कूल

हिंदी सामूहिक कविता पाठ – 2018-19

VA

साहस

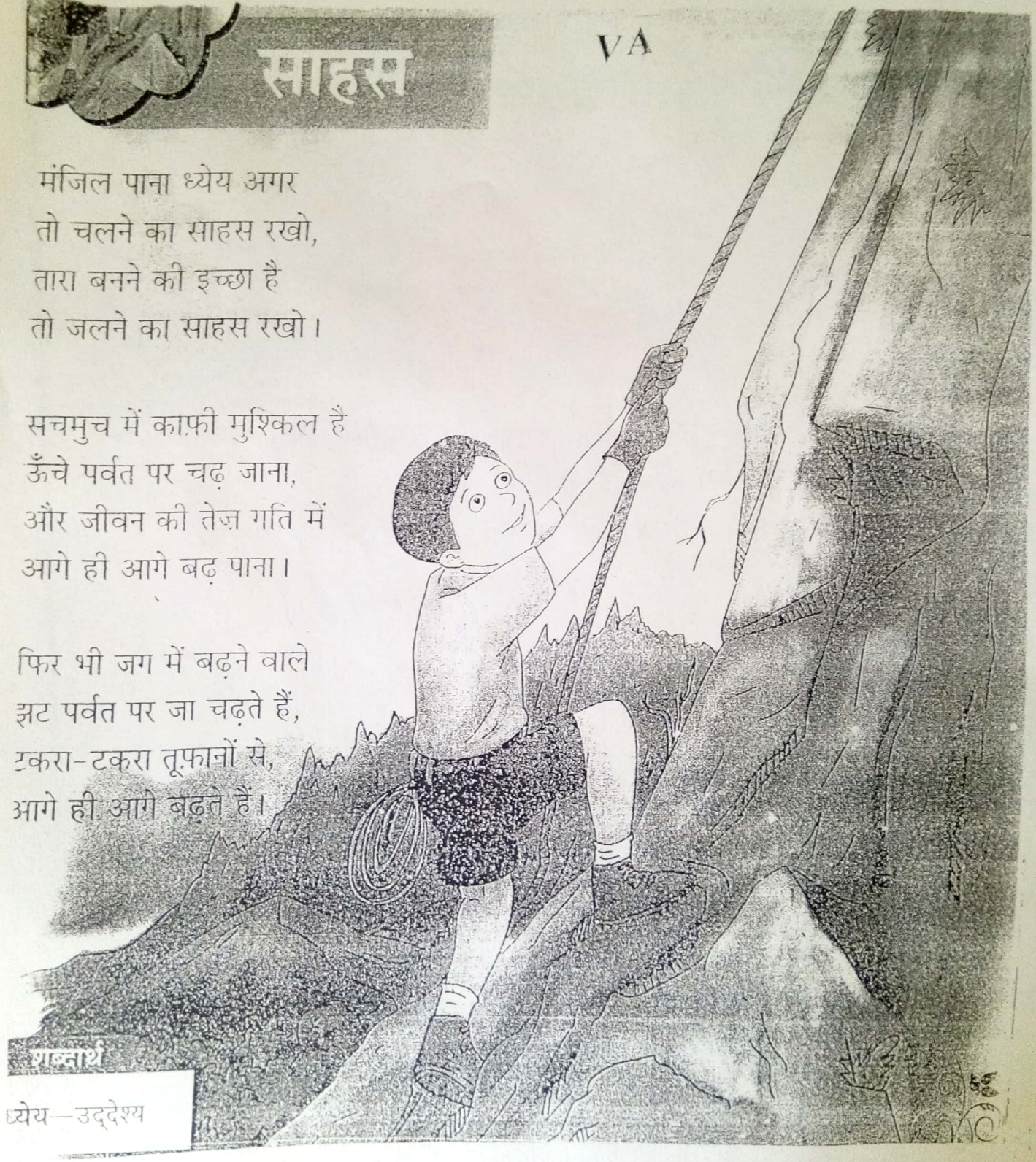

मंजिल पाना ध्येय अगर
तो चलने का साहस रखो,
तारा बनने की इच्छा है
तो जलने का साहस रखो।

सचमुच में काफ़ी मुश्किल है
ऊँचे पर्वत पर चढ़ जाना,
और जीवन की तेज़ गति में
आगे ही आगे बढ़ पाना।

फिर भी जग में बढ़ने वाले
झट पर्वत पर जा चढ़ते हैं,
टकरा-टकरा तूफ़ानों से,
आगे ही आगे बढ़ते हैं।

शब्दार्थ

ध्येय—उद्देश्य

Scanned by CamScanner

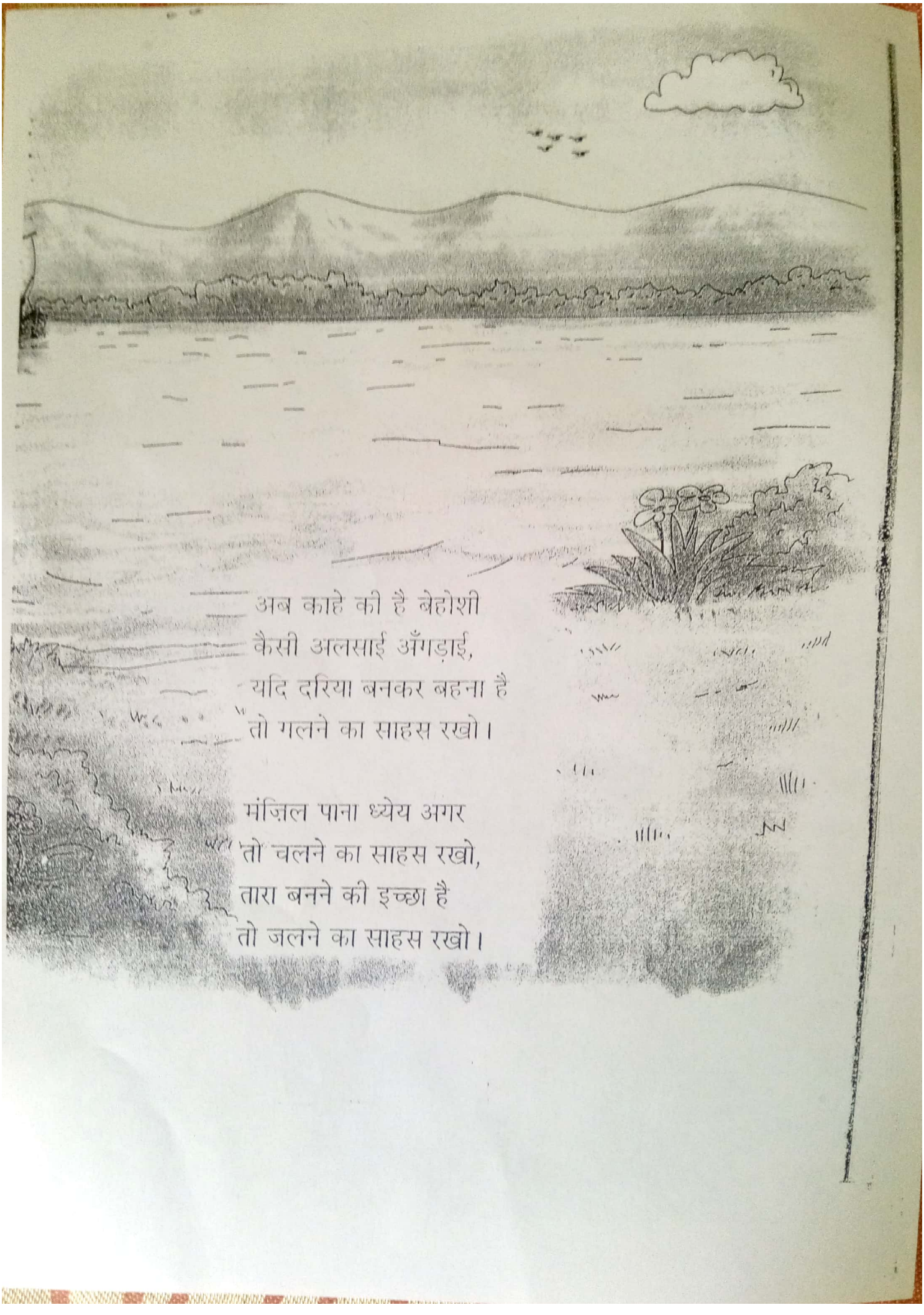

अब काहे की है बेहोशी
कैसी अलसाई अँगड़ाई,
यदि दरिया बनकर बहना है
तो गलने का साहस रखो।

मंज़िल पाना ध्येय अगर
तो चलने का साहस रखो,
तारा बनने की इच्छा है
तो जलने का साहस रखो।

Scanned by CamScanner